>

Title: Need to develop and promote tourism in Uttarakhand - Laid

श्री अजय भट्ट (नैनीताल-ऊधमसिंह नगर): उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग की अपार संभावनायें हैं क्योंकि यहां पर ऐसी अनेक जगह हैं, कॉर्बेट पार्क, फूलों की घाटी, राजाजी पार्क, गोविंद राष्ट्रीय उद्यान, अस्कोट वन्य विहार, केदार वन्य विहार, सोना नदी वन्य विहार, बिनसर वन्य विहार । जहां पर पर्यटक वन्य जीवों को देखने के साथ-साथ वहां के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने हर साल हजारों की तादाद में पहुंचते हैं । साथ ही साथ यहां पर पर्वतारोहण, ग्लाइडिंग, राफटिंग, ट्रैकिंग की अपार संभावनाएं हैं । वैसे भी उत्तराखंड की भूमि को देवभमि कहा जाता है । यहां पर अनेक प्रसिद्ध मंदिर तथा मां देवी के शक्तिपीठ, बद्रीनाथ, केदारनाथ, जोशीमठ, मनसा देवी, यमनौत्री, गंगोत्री, धारीदेवी मंदिर स्थापित है, जिनके दर्शन करने श्रद्धालु हर साल यहां पहुंचते हैं । जरूरत है, इन जगहों को सुविधायुक्त बनाने की तथा इन जगहों का विकास कर इनको दुनिया की नजरों में लाने की । आज के समय में पर्यटन उद्योग . एक बहुत बड़ा उद्योग है । उत्तराखंड में धार्मिक और प्राकृतिक दोनों तरह के पर्यटन स्थलों का विकास करने की तथा उनके प्रचार-प्रसार की अति आवश्यकता है । अगर सही तरीके से प्रचार प्रसार किया जाये और पर्यटन स्थलों का एक आधारभूत ढांचा तैयार किया जाये तो इससे उत्तराखंड के युवाओं को रोजगार भी मिलेगा ही, उनके तीवन स्तर में बदलाव भी आयेगा तथा कई हद तक पलायन की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा जो आज उत्तराखंड की सबसे विकट समस्या है । सरकार से अनुरोध है कि उत्तराखंड की भौगोलिक दृष्टि को देखते हुए सरकार द्वारा उत्तराखंड के पर्यटन के विकास हेतु समुचित ध्यान देने की आवश्यकता है । इसके प्रचार-प्रसार और विकास के लिए समुचित धनराशि आबंटित करने का कष्ट करें ।